अध्याय-3 | मुद्रा और साख

Worksheet-1

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. निम्न में से कौन-सा औपचारिक स्रोत नहीं है?

(अ) सहकारी समितियाँ (ब) बैंक

(स) साहूकार (द) इनमें से कोई नहीं

2. किसका प्रयोग भारत में मुद्रा स्फीति ज्ञात करने के लिए होता हैं?

(अ) उत्पादन मूल्य सूचकांक (ब) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(स) थोक मूल्य सूचकांक (द) ये सभी

3. भारत का सबसे बड़ा व्यावसायिक बैंक निम्न में से कौन-सा हैं?

(अ) बैंक ऑफ बड़ौदा (ब) भारतीय स्टेट बैंक

(स) भारतीय रिजर्व बैंक (द) पंजाब नेशनल बैंक

4. भारत का केंद्रीय बैंक है-

(अ) रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (ब) व्यापारिक बैंक

(स) भारतीय स्टेट बैंक (द) पंजाब नेशनल बैंक

5. भारत में करेंसी नोट कौन जारी करता हैं?

(अ) वित्त सचिव (ब) भारतीय रिजर्व बैंक

(स) मंत्री (द) भारतीय स्टेट बैंक

6. हर कोई भुगतान प्राप्त करना पसंद करता है-

(अ) मुद्रा में (ब) वस्तुओं में

(स) चेक में (द) ड्राफ्ट में

7. केंद्रीय बैंक जारी करता है-

(अ) नोट (ब) सोना-चांदी

(स) सिक्के (द) सभी विकल्प सही हैं

8. भारत के किस राज्य में सार्वजनिक क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंकों की सबसे ज्यादा शाखाएँ हैं?

(अ) पंजाब (ब) दिल्ली

(स) हरियाणा (द) उत्तर प्रदेश

9. आधुनिक मुद्रा का रूप है-

(अ) चेक और पास बुक (ब) सिक्के और कागज के नोट

(स) अनाज और पशु (द) इनमें से कोई नहीं

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. बाजार में लगातार बढ़ती कीमतों की प्रक्रिया को क्या कहा जाता हैं?

(अ) अति उत्पादन
(ब) मुद्रा स्फीति
(स) मुद्रा स्थिरता
(द) मुद्रा मंदी

रिक्त स्थान :

11. मुद्रा का आविष्कार .... प्रणाली के दोषों को दूर करने के लिए किया गया है।

12. .... राज्य में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक नहीं है।

सत्य / असत्य

13. भारतीय क्षेत्र में विदेशी विनिमय संचय का प्रतिरक्षक भारतीय रिजर्व बैंक है।

14. ग्रामीण कृषकों की सहायता के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की पहुँच आसान बनाई गई है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विनिमय के लिए कौनसी करेंसी का प्रयोग किया जाता है?

16. मुद्रा के आविष्कार से 'वस्तु विनिमय प्रणाली' की किस कठिनाई का समाधान हुआ ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. आर्थिक विकास में ऋण की भूमिका लिखिए।

18. ऋण के औपचारिक और अनौपचारिक स्रोतों में क्या अन्तर है? हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की आवश्यकता क्यों है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. मुद्रा क्या है? विनिमय के माध्यम के रूप में इसका उपयोग कैसे किया जाता है?

20. वस्तु विनिमय प्रणाली की कोई तीन सीमाएँ बताइये ?

HOTS

21. भारत में 80 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, जिन्हें खेती करने के लिए ऋण की ज़रूरत होती है।

i. बैंक छोटे किसानों को ऋण देने से क्यों हिचकिचा सकते हैं?
ii. वे दूसरे स्रोत कौन हैं, जिनसे छोटे किसान कर्ज ले सकते हैं।
iii. उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि किस तरह ऋण की शर्तें छोटे किसानों के प्रतिकूल हो सकती हैं।
iv. सुझाव दीजिए कि किस तरह छोटे किसानों को सस्ता ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Lectures | Quiz | Test Series
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (स)
साहूकार औपचारिक स्रोत नहीं है।

2. (ब)
भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को मुद्रा स्फीति ज्ञात करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

3. (ब)
भारत का सबसे बड़ा व्यावसायिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक है।

4. (अ)
रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया भारत का केंद्रीय बैंक है।

5. (ब)
भारत में करेंसी नोट भारतीय रिजर्व बैंक जारी करता है।

6. (अ)
हर कोई मुद्रा के रूप में भुगतान पसंद करता है।

7. (अ)
केंद्रीय बैंक नोट जारी करता है।

8. (द)
सार्वजनिक क्षेत्र के वाणिज्यिक बैंकों की सर्वाधिक शाखाएँ उत्तर प्रदेश में हैं।

9. (ब)
आधुनिक मुद्रा सिक्के और कागज के नोट के रूप में प्रचलित है।

10. (ब)
लगातार बढ़ती कीमतों की प्रक्रिया मुद्रा स्फीति कहलाती है।

11. वस्तु विनिमय

12. सिक्किम व गोवा

13. सत्य

14. सत्य

15. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विनिमय के लिए डॉलर का प्रयोग किया जाता है।

16. मुद्रा के आविष्कार से 'वस्तु विनिमय प्रणाली' "आवश्यकताओं के दोहरे संयोग" की कठिनाई का समाधान हुआ।

17. किसी भी व्यक्ति या देश के विकास में ऋण की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। व्यक्ति और राष्ट्र दोनों को विभिन्न आर्थिक क्रियाओं के लिए ऋण की आवश्यकता होती है। ऋण उद्योगों के स्वामियों को उत्पादन के कार्यशील खर्चों एवं समय पर उत्पादन पूरा करने में सहायता प्रदान करता है। इससे उनकी आय में वृद्धि होती है। अनेक लोग विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं; जैसे-कृषि, व्यवसाय, लघु उद्योगों की स्थापना अथवा वस्तुओं का व्यापार आदि करने के लिए ऋण लेते हैं। इस प्रकार सस्ता और सामर्थ्य के अनुकूल ऋण किसी भी देश के विकास में अति-लाभदायक सिद्ध होता है।

18. औपचारिक ऋण के अन्तर्गत बैंकों और सहकारी समितियों से लिए गए ऋण आते हैं। औपचारिक ऋणों के स्रोतों पर भारतीय रिजर्व बैंक नजर रखता है। अनौपचारिक क्षेत्रक में साहूकार, व्यापारी, मालिक, रिश्तेदार, मित्र आदि आते हैं। इन ऋणदाताओं की गतिविधियों की देख-रेख करने वाली कोई संस्था नहीं है। वे मनमानी ब्याज दरों पर ऋण दे सकते हैं। ये अपना ऋण वसूलने के लिए प्रत्येक अनुचित साधन अपना सकते हैं। इन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होता। इन कारणों को देखते हुए भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके माध्यम से लोगों की आय बढ़ सकती है और अनेक लोग अपनी आवश्यकताओं के लिए सस्ता कर्जा ले सकते हैं। सस्ता और सामर्थ्य अनुसार कर्जा देश के विकास के लिए आवश्यक है।

19. मुद्रा वह वस्तु है जिसे एक व्यापक क्षेत्र में विनिमय के साधन, मूल्य मापन, स्थगित भुगतानों के मानक और मूल्य संचय के माध्यम के रूप में सामान्य रूप से स्वीकार किया जाता है, और इसे सरकारी संरक्षण या मान्यता प्राप्त होती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

विनिमय का माध्यम – मुद्रा ने विनिमय की प्रक्रिया को सरल और अधिक सुविधाजनक बना दिया है। आज की दुनिया में सभी वस्तुएं और सेवाएं मुद्रा के माध्यम से खरीदी और बेची जाती हैं। मुद्रा का यह कार्य सभी आर्थिक विकास के चरणों में महत्वपूर्ण है। प्रोफेसर बेन्हम के अनुसार, "मुद्रा को कोई व्यक्ति इसलिए स्वीकार करता है क्योंकि वह जानता है कि अन्य लोग भी इसे स्वीकार करेंगे और बदले में उसे वस्तुएं एवं सेवाएं मिलेंगी जिनकी उसे आवश्यकता है।" इस प्रकार, मुद्रा ने वस्तु-विनिमय की प्रणाली में 'दोहरे संयोग की कठिनाई' का समाधान कर दिया है, और अब यह सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत वस्तु बन चुकी है।

20. वस्तु विनिमय प्रणाली की तीन सीमाएँ :-

i. वस्तु विनिमय के लिए दोहरे संयोग की शर्त का पूरा होना आवश्यक होता है।

ii. धन या मूल्य के संचयन में कठिनाई होती है।

iii. अविभाज्य वस्तुओं का विनिमय कठिन होता है।

21.

i. बैंक छोटे किसानों को ऋण देने से इसलिए हिचकिचाया करते हैं क्योंकि छोटे किसान ऋण चुकाने में समर्थ नहीं होते।

ii. बैंकों के अलावा छोटे किसानों के लिए ऋण के अन्य स्त्रोत हैं-

- स्थानीय साहूकार
- व्यापारी
- बड़े किसान
- सहकारी समितियाँ
- मित्र
- रिश्तेदार।

iii. छोटे किसान अधिक ब्याज पर जमींदारों से पैसा उधार लेते हैं। ये छोटे किसान ब्याज का ही अधिक भुगतान करते हैं। वे अपना कर्ज नहीं चुका पाते। इस प्रकार उसकी स्थिति पहले से भी बदतर हो जाती हैं।

iv. छोटे किसानों को सस्ता ऋण निम्न संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराया जा सकता है:-

- बैंक - बैंकों के द्वारा उचित ब्याज दर पर गरीबों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऋण उपलब्ध कराया जाता है।
- स्वयं सहायता समूहों द्वारा - गरीबों को समयानुसार विभिन्न प्रकार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक उचित ब्याज दर पर ऋण मिल जाता है। इसके आलावा यह समूह ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों को संगठित करने में मदद करते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App